

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2012

MESE-060 : CURRICULUM DEVELOPMENT AND TRANSACTION

Time : 3 Hours

Maximum Weightage : 70%

-
- Note :** (i) *All questions are compulsory.*
(ii) *All questions carry equal weightage.*
-

1. Answer the following question in about 600 words :

Explain the process of curriculum development as a collection approach.

OR

Discuss briefly the discipline-based issues related to curriculum.

2. Answer the following question in about 600 words :

Differentiate between curriculum product evaluation and curriculum programme evaluation . Also, discuss any two approaches of curriculum programme evaluation.

OR

Differentiate between behaviourist and cognitive views of feedback in instruction. Also, discuss how feedback mechanisms can help in enhancing curricular transaction.

3. Attempt *any four* of the following questions in about **150** words each :

- (a) Differentiate between formative and summative evaluation.
- (b) Explain how observation can act as a good technique for evaluating the classroom transactions.
- (c) Differentiate between child-centered and activity-centered models of curriculum planning.
- (d) Explain the role of a teacher in guided instruction.
- (e) Discuss the factors which determine the quality and effectiveness of curriculum.
- (f) Explain experiential learning.

4. Answer the following question in about **600** words :

Suppose you have planned for co-curricular activities for your school, explain which activities you will prefer to take up to implement them. Justify with reasons.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.ई.एस.ई.-060 : पाठ्यचर्या विकास एवं कार्यान्वयन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में लिखिए :
सामूहिक उपागम (Collective Approach) के रूप में
पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

अथवा

पाठ्यचर्या से संबंधित संकाय आधारित मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
पाठ्यचर्या निर्माण मूल्यांकन व पाठ्यचर्या कार्यक्रम मूल्यांकन
में भेद स्पष्ट करते हुए किन्हीं दो पाठ्यक्रम मूल्यांकन पद्धतियों
पर चर्चा भी करें।

अथवा

अनुदेश की व्यवहारवादी और संज्ञानात्मक पद्धतियों के अन्तर्संबंध
को विवेचित कीजिए। प्रतिपुष्टि पाठ्यचर्या कार्यान्वयन में किस
प्रकार गतिशीलता ला सकती है इस पर भी चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** के उत्तर लगभग 150 शब्दों में (प्रति उत्तर) दीजिए :

- (a) निर्माणी (formative) एवं योगात्मक (summative) मूल्यांकन में भेद स्पष्ट कीजिए।
- (b) कक्षा में पाठ्यचर्या कार्यान्वयन मूल्यांकन हेतु प्रेक्षण विधि किस प्रकार एक उत्तम तकनीक सिद्ध हो सकती है?
- (c) शिशु-केन्द्रित एवं कार्यक्रम-केन्द्रित पाठ्यचर्या योजना मॉडलों (models) में अन्तरभेद बतलाएँ।
- (d) निर्देशित (guided) अनुद्देशन में अध्यापक की भूमिका का वर्णन करें।
- (e) पाठ्यचर्या की गुणवत्ता और प्रभाविता को निर्धारित करने वाले कारकों पर चर्चा कीजिए।
- (f) अनुभवजन्य अधिगम की व्याख्या कीजिए।

4. इस प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

मान लीजिये कि आपने अपने विद्यालय हेतु सह पाठ्यचर्यात्मक गतिविधियों की योजना बनाई है, आप इन्हें क्रियान्वित करने हेतु किन गतिविधियों को अधिमान देंगे? अपने उत्तर की पुष्टि भी करें।
